**Sixteenth Loksabha**

an>

Title: Regarding problems of Sakshar Bharat Mission 'Preraks'.

**श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ) :** माननीय अध्यक्ष महोदया, आपका धन्यवाद। महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के साक्षरता मिशन में लगे हुए, देश में तो कई लाख होंगे, लेकिन अकेले उत्तर प्रदेश की बात करें तो लगभग एक लाख शिक्षा प्रेरक जिनकी सेवाएं 31 मार्च, 2018 को समाप्त कर दी गई हैं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि अभी भारत सरकार का शिक्षा मिशन का कार्यक्रम पूरा नहीं हुआ है। उसके बावजूद अकेले उत्तर प्रदेश के अंदर एक लाख शिक्षा प्रेरक बेरोजगार कर दिए गए हैं। जब वे शिक्षा प्रेरक आंदोलन कर रहे थे तो उस समय माननीय गृह मंत्री जी ने लखनऊ जाकर आश्वासन दिया था कि उनकी सेवाओं को बहाल किया जाएगा।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि न केवल शिक्षा प्रेरकों की सेवाओं को बहाल किया जाए बल्कि उनका अभी तक का मानदेय जो लगभग 656 करोड़ रुपया अकेले उत्तर प्रदेश के एक लाख शिक्षा प्रेरकों का बकाया है। मैं भारत सरकार से अपील करना चाहता हूं कि उन शिक्षा प्रेरकों का पहले बकाया पूरा करें।

उनकी सेवाओं का विस्तार करें। आज देश सबसे ज्यादा बेरोजगारी के संकट से जूझ रहा है। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मित्र बेरोजगार हो गए, रोजगार सेवक बेरोजगार हो गए, साक्षरता प्रेरक बेरोजगार हो गए और दूसरी तरफ सरकार लगातार रोजगार देने की बात कर रही है, जबकि आज लाखों-लाख लोग बेरोजगार हो रहे हैं।

मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि इस समस्या को गंभीरता से लेकर उपरोक्त लोगों की सेवाओं को बहाल करे।

**माननीय अध्यक्ष:**

श्रीमती ज्योति धुर्वे को श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।